सार्क (SAARC) के निर्माण के उद्देश्य

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (South Asian Association for Regional Cooperation - SAARC) की स्थापना 8 दिसंबर 1985 को ढाका, बांग्लादेश में हुई थी। इस संगठन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य दक्षिण एशिया के देशों के बीच आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, तकनीकी और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देना था। इसका गठन सात देशों – भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव – द्वारा किया गया था, बाद में अफगानिस्तान को 2007 में इसका आठवां सदस्य बनाया गया।

सार्क के प्रमुख उद्देश्य:

1. क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना

सार्क का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य दक्षिण एशियाई देशों के बीच सामूहिक प्रयासों द्वारा क्षेत्रीय विकास को गति देना है। यह संगठन विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग को बढ़ावा देकर पूरे क्षेत्र की प्रगति सुनिश्चित करना चाहता है।

2. आर्थिक एकीकरण और व्यापार को प्रोत्साहित करना

सार्क का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करना, व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना तथा एक साझा आर्थिक बाजार बनाने की दिशा में कार्य करना है। इसके लिए सार्क अधिमान्य व्यापार समझौता (SAFTA - South Asian Free Trade Agreement) जैसी पहल की गई है, जिसका लक्ष्य सदस्य देशों के बीच व्यापारिक शुल्कों (टैरिफ) को कम करना और एक मुक्त व्यापार क्षेत्र (Free Trade Area) बनाना है।

3. गरीबी उन्मूलन और सतत विकास

दक्षिण एशिया विश्व की सबसे अधिक जनसंख्या वाले और विकासशील क्षेत्रों में से एक है। यहां गरीबी एक प्रमुख समस्या है। सार्क का उद्देश्य गरीबी उन्मूलन के लिए संयुक्त प्रयास करना, रोजगार के अवसर बढ़ाना और आर्थिक असमानताओं को कम करना है। इसके लिए सार्क विकास कोष (SAARC Development Fund - SDF) स्थापित किया गया है।

4. शिक्षा, विज्ञान और तकनीक में सहयोग

सार्क का एक प्रमुख उद्देश्य शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। इसके तहत सार्क विश्वविद्यालय (SAARC University) की स्थापना और वैज्ञानिक शोध तथा तकनीकी नवाचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाता है।

5. सांस्कृतिक और सामाजिक सहयोग

सार्क के तहत सदस्य देशों के बीच संस्कृति, कला, खेल और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह संगठन साझा सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों को संरक्षित करने का भी प्रयास करता है।

6. जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरणीय समस्याओं जैसे ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाओं और वनों की कटाई से निपटने के लिए सार्क एक महत्वपूर्ण मंच है। संगठन ने इस संबंध में कई संयुक्त नीतियां और कार्यक्रम लागू किए हैं।

7. आतंकवाद और संगठित अपराध से निपटना

सार्क का एक अन्य प्रमुख उद्देश्य आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी (Drug Trafficking), मानव तस्करी (Human Trafficking) और संगठित अपराध से निपटने के लिए संयुक्त प्रयास करना है। इसके तहत सार्क आतंकवाद निरोधक सम्मेलन (SAARC Convention on Suppression of Terrorism) और अन्य सुरक्षा सहयोग कार्यक्रम लागू किए गए हैं।

8. स्वास्थ्य सेवाओं और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना

सार्क का उद्देश्य सदस्य देशों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, संक्रामक रोगों की रोकथाम और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है। संगठन ने सार्क खाद्य बैंक (SAARC Food Bank) की स्थापना की है, जिससे क्षेत्र में खाद्य संकट के समय सहायता दी जा सके।

निष्कर्ष

सार्क एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संगठन है, जिसका उद्देश्य दक्षिण एशियाई देशों के बीच सहयोग को मजबूत करके इस पूरे क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति सुनिश्चित करना है। हालांकि, इस संगठन को राजनीतिक तनाव और आपसी मतभेदों के कारण कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, फिर भी यह दक्षिण एशिया की साझी प्रगति और विकास के लिए एक प्रभावी मंच बना हुआ है।